मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

02 नवम्बर, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की समीक्षा बैठक

विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयको की समीक्षा बैठक दिनांक 02 नवम्बर, 2023 को कमेटी कक्ष में आयोजित की गई। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

बैठक में कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रभारी, अध्ययन केन्द्र, प्रोफेसर पी0 पी0 दुबे, सीका निदेशक, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर, सत्यपाल तिवारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रभारी, पाठ्य सामग्री, प्रोफेसर सन्तोषा कुमार, प्रवेश प्रभारी, प्रोफेसर जे0 पी0 यादव, समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकगण एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार उपस्थित रहे।

मानीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मिर्जापुर की कजरी और महोबा का आल्हा होगा समारोह का आकर्षण

ब्रज और अवधि संस्कृति की छटा करेगी आह्लादित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में रजत जयंती समारोह आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज दो नवंबर गुरुवार को विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर रजत जयंती मनाएगा। मिर्जापुर की लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव की कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया का आल्हा गायन समारोह का आकर्षण होगा। इसके साथ ही ब्रज और अवधि की संस्कृति की छटा आह्लादित करेगी। समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर भी किया जाएगा। समारोह अटल प्रेक्षागृह में होगा। कुलपति प्रो सीमा सिंह ने आज तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने समारोह स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। यह महत्वपूर्ण अवसर विश्वविद्यालय अपने विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा करने का साक्षी बनेगा। विश्वविद्यालय इस अवसर पर उन सभी कर्म योगियों को याद करेगा। जिनका योगदान इसकी प्रगति में सहायक सिद्ध हुआ है। विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो बंश गोपाल सिंह कुलपति पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ होंगे। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय पूर्व कुलपति जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया होंगी।विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस अवसर पर शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन किया जाएगा। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक वृद्धि होगी। शिक्षक एवं कर्मचारी विश्वविद्यालय के विकास की धुरी हैं। रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा। इस अवसर का साक्षी बनने के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया है। रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रो पी पी दुबे एवं सह निदेशक डॉ दिनेश सिंह के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न समितियां कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। रजत जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए महोबा के जितेंद्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन होगा। मथुरा के अशोक निलेश एवं दल द्वारा ब्रज संस्कृति पर कार्यक्रम मिर्जापुर की उर्मिला श्रीवास्तव इंदौर द्वारा कजरी गायन की प्रस्तुति की जाएगी। इसी प्रकार सुल्तानपुर के बृजेश सिंह दल द्वारा अवधि संस्कृति की बिरहा गायन की प्रस्तुति की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। रजत जयंती समारोह का प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। यह जानकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र मीडिया प्रभारी ने दी।

UPRTOU silver jubilee today

PIONEER NEWS SERVICE ■ PRAYAGRAJ

The silver jubilee of UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) will be celebrated on November 2. This institution of distance learning was established 25 years ago when Prof Narendra Singh Gaur was the higher education minister of Uttar Pradesh.

According to Vice-Chancellor (V-C) Prof Seema Singh, preparations for the silver jubilee celebrations are in full swing and it will be a grand function.

The chief guest will be Prof Vansh Gopal Singh, V-C of Pt Sundar Lal Sharma Open University of Bilaspur (Chhatisgarh) while the guest of honour will be Prof Kalpana Pandey, V-C, Jana Nayak Chandrashekhar University, Ballia. Prof NKS Gaur will be the Saraswat Atithi on the occasion.

Vice-Chancellor Prof Seema Singh,

V-C Prof Singh emphasised this occasion will be a significant step towards innovation and growth in the field of higher education and research for university's students and faculty.

The event will also witness the inauguration of an Information Management System for students which will contribute to quality education.

The V-C said the progress of the university is closely linked to its teachers and staff. The event will honour those teachers and employees who have excelled in their work. Families of these individuals are also invited to be part of this memorable occasion.

To make the silver jubilee celebration unforgettable, various cultural programmes are planned, featuring performances based on Alha songs, Braj culture, Kajri songs and Awadhi culture. These cultural events are part of the Bharatiya Bhasha Utsav, organised in collaboration with the Hindustani Academy, Prayagraj, and will be a part of the Indian Language Festival.

RAIL TRAFFIC DISRUPTED: Following derailment of the engine and a generator van of Anand Vihar-bound Suhaildev Express train, rail traffic remained disturbed for a couple of hours on Tuesday night on the Howrah-Delhi route. No casualty or injury has been reported in this minor derailment.

The train was sent for its destination around 11.35 pm, Senior PRO, North Central Railway Amit Malviya said.

The Ghazipur City-Anand Vihar Suhaildev Express arrived here at 8.25 pm on platform number 9.

After its scheduled stoppage at Prayagraj Junction, the train moved towards its destination, but barely after a couple of minutes the engine and the next generator van jumped the rail with a bang.

As soon as the control room and officials came to know about the derailment, movement on Howrah-Delhi route was stopped. The DRM and other senior officials reached the spot and the accident relief train also arrived on the spot.

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कल मनाएगा रजत जयंती

संवाददाता। प्रयागराज

- समारोह में 25 वर्षों की सुनहरी यादें होंगी ताजा
- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

2 नवंबर को विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर रजत जयंती मनाएगा। यह महत्वपूर्ण अवसर विश्वविद्यालय अपने विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा करने का साक्षी बनेगा। विश्वविद्यालय इस अवसर पर उन सभी कर्म योगियों को याद करेगा जिनका योगदान इसकी प्रगति में सहायक सिद्ध हुआ है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने मंगलवार को बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह कुलपति पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ होंगे। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय पूर्व कुलपति जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया होंगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस अवसर पर शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन किया जाएगा। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक वृद्धि होगी। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक एवं कर्मचारी विश्वविद्यालय के विकास की धुरी हैं। रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा। इस अवसर का साक्षी बनने के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे एवं सह निदेशक डॉ दिनेश सिंह के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न समितियां कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास है। सभी लोग उस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि रजत जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए महोबा मथुरा मिर्जापुर एवं सुल्तानपुर के आमंत्रित कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत आल्हा गायन ब्रज संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम कजरी गायन तथा अवधि संस्कृति की बिरहा गायन की प्रस्तुति की जाएगी। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

02 नवम्बर, 2023

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा–प्रोफेसर सिंह

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

सांस्कृतिक संध्या में आल्हा, बिरहा और कजरी की बही रसधार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार दिनांक 02 नवम्बर, 2023 को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ रहे। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया रही। समारोह की अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की।

रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी. पी. दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया तथा समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह का संचालन संयुक्त रुप से प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

संयुक्त रुप से समारोह का संचालन करती हुई प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी

सातवें भारत जल सप्ताह की थीम टिकाऊ विकास और समानता के लिए जल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रजत जयंती समारोह के शुभारंभ में कलश की स्थापना के साथ ही उस में जल भरकर विशिष्ट अतिथियों ने जल भर कर टिकाऊ विकास और समानता के लिए जल सुरक्षा थीम को साकार करने "जल है तो कल है" और जल को बचाने के लिए संकल्प लिया और सभी को प्रोत्साहित किया।

मॉं सरस्वती जी एवं राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं जल संरक्षण के तहत घड़े में जल भरते हुए समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय, पूर्व कुलपति, समारोह की अध्यक्ष कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी. पी. दुबे एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

सरस्वती वन्दना एवं विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत करती हुई छात्रायें

माननीय अतिथिगणों का स्वागत

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह जी, सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर जी, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

*कार्यक्रम निदेशक
प्रोफेसर पी. पी. दुबे
एवं
कुलसचिव
कर्नल विनय कुमार
को
पुष्पगुच्छ भेंट कर
उनका स्वागत करती हुई
विश्वविद्यालय
परिवार के सदस्यगण*

अतिथियों का स्वागत एवं समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी.पी. दुबे

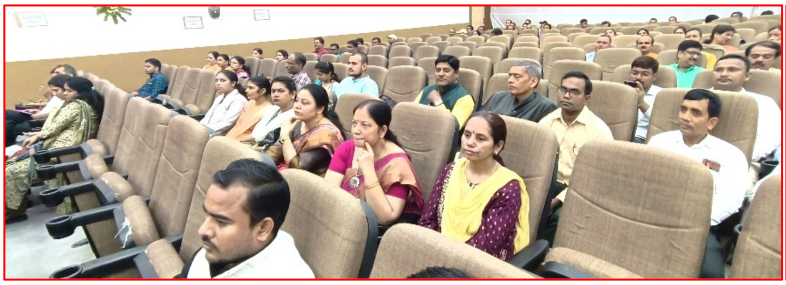

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
रजत जयंती समारोह
दिनांक - 02 नवम्बर 2023

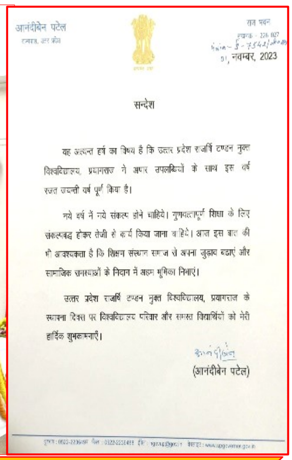

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ - 226 027
01, नवम्बर, 2023

सन्देश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अपार उपलब्धियों के साथ इस वर्ष रजत जयन्ती वर्ष पूर्ण किया है।

नये वर्ष में नये संकल्प होने चाहिये। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संकल्पबद्ध होकर तेजी से कार्य किया जाना चाहिये। आज इस बात की भी आवश्यकता है कि शिक्षण संस्थान समाज से अपना जुड़ाव बढाएं और सामाजिक समस्याओं के निदान में अहम भूमिका निभाएं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार और समस्त विद्यार्थियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(आनंदीबेन पटेल)

विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति जी द्वारा प्रेषित शुभकामना सन्देश को पढती हुई कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ गौर, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय तथा कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन किया गया। इससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक वृद्धि होगी।

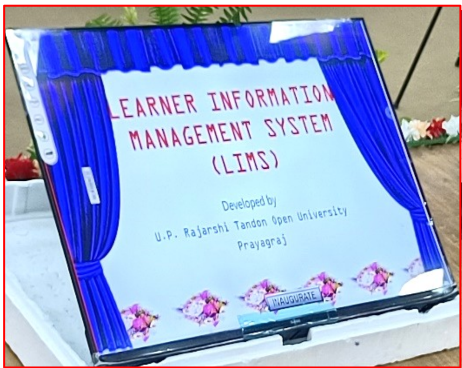

शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण

पुस्तक विमोचन

माननीय अतिथियों ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प द्वारा संपादित पुस्तक डाइमेंशन्स ट्रेंड्स एंड चौलेंजेस तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक ई गवर्नेंस एंड डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेज इन इंडिया एवं इन्दु भूषण पाण्डेय द्वारा संपादित दूरस्थ शिक्षा का उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम... का विमोचन किया।

प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प द्वारा संपादित पुस्तक डाइमेंशन्स ट्रेंड्स एंड चौलेंजेस का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक ई गवर्नेंस एंड डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेज इन इंडिया का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

इन्दु भूषण पाण्डेय द्वारा संपादित दूरस्थ शिक्षा का उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम... का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर जे. पी. यादव, डॉ दिनेश सिंह, डॉ संजय कुमार सिंह, डॉ यू. एन. तिवारी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ गौरव संकल्प, डॉ शिवेंद्र कुमार सिंह, डॉ आर.बी. सिंह, श्रीमती सीमा सिंह प्रोग्रामर, इन्दु भूषण पाण्डेय, दिलीप त्रिपाठी, अवनीश चंद्र, मोहितोष कुमार, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र, प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, अभिमन्यु, गुलाब बिन्द, बसंत मौर्य, उमेश चन्द्र पांडेय, कुश प्रकाश पाल, राजू बारी, रामानंद यादव एवं मो. इमरान का सम्मान किया गया।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा–प्रोफेसर सिंह

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है।

माननीय अतिथिगणों का सम्मान

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह जी को अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करती हुई कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर जी को अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करती हुई कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

*समारोह की विशिष्ट अतिथि
प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय जी को
अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, पौधा एवं
हरित फल भेंट कर उनका सम्मान
करती हुई कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी।*

*समारोह की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्य
ालय की माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी
को अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह,
पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका
सम्मान करते हुए कार्यक्रम निदेशक
प्रोफेसर पी. पी. दुबे*

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज यह विश्वविद्यालय 25 वर्षों की उपलब्धियां के साथ 26 वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों के अनुकूल देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन का सुअवसर भी है। यह सुअवसर विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के फलक पर विशिष्ट पहचान और स्थान दिलाने के साथ ही देश को विश्वगुरु के रूप में ख्याति दिलाएगा। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि यह विश्वविद्यालय ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण कर सके जो समतापरक और प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति समर्पित हों। साथ ही देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की गौरव गरिमा को आगे बढ़ाने में अपनी सुयोग्य भूमिका का निर्वाह करें।

समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चौनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रहीं थीं।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

रजत जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए हिंदुस्तानी अकादमी के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक संध्या में महोबा के जितेंद्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन की प्रस्तुति की गई। मथुरा के अशोक, निलेश एवं दल द्वारा ब्रज संस्कृति पर मनोहरी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मिर्जापुर की श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव और दल ने कजरी गायन ने समारोह में रंगत ला दी। सुल्तानपुर के बृजेश सिंह दल द्वारा अवधि संस्कृति की बिरहा गायन की प्रस्तुति पर लोग वाह वाह करते रहे।। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया। आमंत्रित कलाकारों को अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कलाकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन सह निदेशक डॉ दिनेश सिंह ने किया।

समारोह में कौशल्या नंद गिरि, पूर्व वित्त अधिकारी ए के सिंह पूर्व कुलसचिव डॉ एके सिंह, प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार दिनांक 02 नवम्बर, 2023 को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह में मिर्जापुर की लोक गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा। इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मैं बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 संजय पुरुसार्थ एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सदस्य

प्रोफेसर कल्पलता पण्डेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया, प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह जी की पत्नी श्रीमती रेविका सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृचिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

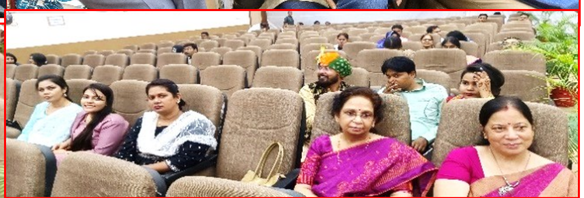

रजत जयंती समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर माननीय अतिथियों का स्वागत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

साझी पुस्तक के तहत माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को विश्वविद्यालय को पुस्तक भेंट करते हुए हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

आमंत्रित कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

मिर्जापुर के कजली के कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

आमंत्रित कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

प्रयागराज

प्रयागराज

आमंत्रित कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम सह– निदेशक डॉ0 दिनेश सिंह

रजत जयंती समारोह
WALL OF FAME
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समारोह की अन्य झलकियां

विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित शैक्षणिक भवन

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह

समारोह की अन्य झलकियां

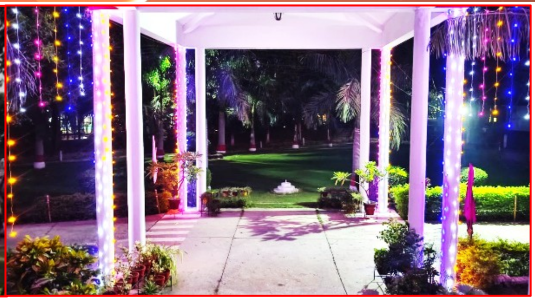

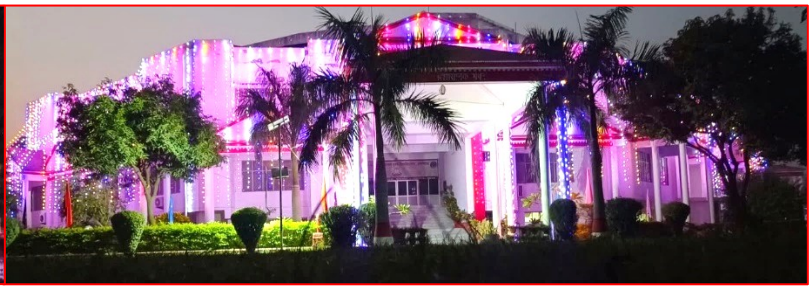

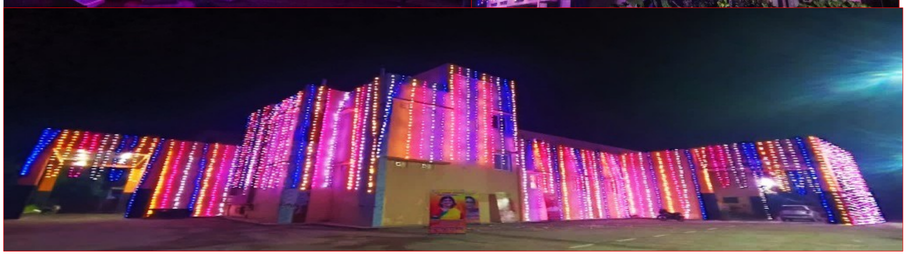

समारोह की अन्य झलकियां

प्रयागराज, शनिवार
4 नवंबर, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 28

दैनिक जागरण

www.jagran.com

मुवि के रजत जयंती समारोह में डा. प्रभात को विशिष्ट सम्मान

मुवि के रजत जयंती समारोह में सम्मान प्राप्त करते डा. प्रभात चंद्र मिश्र ● सौ.: स्वयं

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र को विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में विश्वविद्यालय विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डा. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। भदौरिया ने कहा कि मीडिया जगत में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाले डा. प्रभात को 25 वर्षों की सेवा का सही प्रतिफल मिला है। प्रतिवर्ष माघ मेले में आयोजित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम में भी उनकी सहभागिता बढ़-चढ़कर रहती है। प्रभात मिश्र ने कहा कि उनके लिए यह विशिष्ट सम्मान अविस्मरणीय रहेगा।

VOL. 15
NO. 303
MORNING
EDITION
PRAYAGRAJ

JUSTICE EXPRESS

SATURDAY, 04 NOVEMBER 2023, PAGES 8 Email:- justiceexpress2009@gmail.com RNI: UPENG/2009/28741
* City/Dak Edition Price Rs. 1.00
* Out of City Edition Price Rs. 1.00

Dr. Prabhat Chandra Mishra's receiving special honour hailed by Dr. Anil Kumar Singh Bhadauria

JE CORRESPONDENT

PRAYAGRAJ: Dr. Anil Kumar Singh Bhadauria, co-in-charge of Distance Education Awareness Cell, expressed happiness on Dr. Prabhat Chandra Mishra, Media In-charge of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, receiving the University Special Honor in the Silver Jubilee Celebration of the University. Vice-Chancellor Professor Seema Singh expressed happiness. Expressed gratitude towards. Dr. Bhadauria said that Dr. Prabhat, who has held a special place in the media world, has got the right reward for his 25 years of service. Dr. Mishra conveys every activity of the university to the public through the media with great devotion. He also actively participates in the distance education awareness program organized in Magh Mela every year.

Overwhelmed with the honour, Dr Prabhat Mishra said that this special honor will be unforgettable for him. The aim of his life is to serve the society through journalism. This special honor will now infuse double the enthusiasm in the work culture. On receiving this honour, Dr Mishra also expressed his gratitude towards the former Vice Chancellors Professor Devendra Pratap Singh, Professor Kedarnath Singh Yadav, Professor Nageshwar Rao and Professor AK Bakshi, under whose continuous guidance Vice Chancellor Professor Seema was honored at the silver jubilee ceremony today. Received special honor at the hands of Singh. Dr. Mishra said that the university is making all-round progress under the able leadership of the renowned Vice-Chancellor of the university, Professor Seema Singh. There is joy in the campus as Professor Seema Singh gets the honor of being the Vice Chancellor of the University in the Silver Jubilee year.

Distance education is developing the feeling of patriotism among students: Professor Singh

Karmayogis honored in the silver jubilee ceremony of Rajarshi Tandon Open University

The book of Alha, Birha and Kajri was juicy in the cultural evening

JE CORRESPONDENT

PRAYAGRAJ: On the occasion of the 25th anniversary of the establishment of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, a silver jubilee ceremony was organized at Atal Auditorium on Thursday.

Kajri presented by folk singer Smt. Urmila Srivastava and team of Mirzapur and Alha singing by Jitendra Kumar Chaurasia and team of Mahoba was the center of attraction of the ceremony. Along with this, people also enjoyed dance and singing based on Braj culture and Birha singing in Awadhi culture. Enjoyed it a lot.

The ceremony was telecast live from the university's YouTube channel. On this important occasion, the University refreshed and shared the golden memories of the last 25 years of its development journey. Where teachers, officers and employees were very happy to meet their former colleagues. Diwali enthusiasm was visible in the university even before Diwali. On one hand, all the buildings of the university were shining with attractive lights, while on the other hand, the Vice-Chancellor of the University, Professor Seema Singh, was welcoming the visitors with her familiar smile.

On this occasion, the chief guest of the function, Professor Bansh Gopal Singh, Vice Chancellor, Pandit Sunderlal Sharma Open University, Bilaspur, Chhattisgarh said that distance education is playing an important role for the deprived sections of education. Distance education is developing the spirit of patriotism and skills among the students. Patience and concentration are required to face the challenges of distance education.

Saraswat guest Dr. Narendra Kumar Singh Gaur, former Higher Education Minister, Government of Uttar Pradesh said that along with the expansion of education, there should be qualitative education. Education should not only teach the subject but also inculcate nationalism among the students.

Special guest Professor Kalpalata Pandey, former Vice Chancellor, Jannayak Chandrashekhar University Ballia said that today the whole world needs to promote distance education. He said that there is a need for such an education system in India so that education reaches everyone. Distance education is doing this work very well.

While presiding, Vice Chancellor of Open University, Professor Seema Singh said that everyone was eagerly waiting for this moment. Today Atal Auditorium became a witness to the fellow travelers of these 25 years of journey. For the students and teachers of the University, this opportunity will be an important step towards innovation and prosperity in the field of advanced education and research.

Professor Singh said that today this university is entering its 26th year with 25 years of achievements. This is also an opportunity to implement the country's National Education Policy 2020 in line with the objectives of establishing the university. This opportunity will not only give the university a unique identity and place on the platform of higher education, but will also give the country a reputation as a world leader. Vice Chancellor Professor Singh said that our aim is that this university can create such youth forces who are dedicated towards an egalitarian and enlightened human society. Also, play your worthy role in carrying forward the glory and dignity of the rich cultural tradition of the country. Earlier, in the beginning, Vice Chancellor Professor Singh read out the congratulatory message of Governor Smt. Anandiben Patel at the Silver Jubilee ceremony.

On this occasion, Learner Information Management System LIMS was inaugurated by Chief Guest Professor Singh, Special Guest Dr. Gaur, Special Date Professor Pandey and Vice Chancellor Professor Seema Singh. This will lead to qualitative increase in the field of education. On this occasion, the guests released the book Dimensions Trends and Challenges edited by University teachers Professor Shruti and Dr. Gaurav Sankalp and the book E-Governance and Delivery of Public Services in India edited by Dr. Anandanand Tripathi and Dr. Trivikram Tiwari.

Teachers and staff who did excellent work in the Silver Jubilee Celebrations Professor Ashutosh Gupta, Professor JP Yadav, Dr. Dinesh Singh, Dr. Sanjay Singh, Dr. UN Tiwari, Dr. Smita Aggarwal, Dr. Gaurav Sankalp, Dr. Shivendra Kumar Singh, Seema Singh Programmer, Indu Bhushan Pandey, Dilip Tripathi, Avnish Chandra, Mohitosh Kumar, Dr. Prabhat Chandra Mishra, Prakash Chandra Srivastava, Abhimanyu, Gulab Bind, Basant Maurya, Umesh Chandra Pandey, Kush Prakash Pal, Raju Bari, Ramanand Yadav and Mohd. Imran was respected.

Professor PP Dubey, Program Director of the Silver Jubilee Celebrations, welcomed the guests and presented the outline of the celebration. The function was conducted by Professor Shruti and Dr. Devesh Ranjan Tripathi. The vote of thanks was given by Registrar Colonel Vinay Kumar.

Professor PP Dubey, Program Director of the Silver Jubilee Celebrations, welcomed the guests and presented the outline of the celebration. The function was conducted by Professor Shruti and Dr. Devesh Ranjan Tripathi. The vote of thanks was given by Registrar Colonel Vinay Kumar.

To make the Silver Jubilee celebrations memorable, Alha singing was presented by Jitendra Kumar Chaurasia and group of Mahoba in the cultural evening organized in collaboration with Hindustani Academy. A beautiful program on Braj culture was presented by Ashok, Nilesh and team of Mathura. Kajri singing by Mrs. Urmila Srivastava of Mirzapur and the team added color to the function. People kept cheering on the presentation of Birha singing of Awadhi culture by Brijesh Singh Dal of Sultanpur. The cultural program was organized under the Indian Language Festival in collaboration with Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University and Hindustani Academy, Prayagraj. The invited artists along with the guests were honored by Vice Chancellor Professor Seema Singh and Secretary of Hindustani Academy Shri Devendra Pratap Singh by giving mementos. Co-director Dr. Dinesh Singh expressed his gratitude to the artists.

Kaushalya Nand Giri, former finance officer AK Singh, former registrar Dr AK Singh, Professor Vivek Kumar Singh etc. were present in the ceremony.

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा : प्रोफेसर सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

मिर्जापुर की लोक गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा।इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मै बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया।

समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादो को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर

मकदम कर रही थी।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों मे राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियो का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है।

सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नही वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत देश मे ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है जिससे शिक्षा सबके द्वारा तक पहुंचे। दूरस्थ शिक्षा यह कार्य बखूबी कर रही है।

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि इस पल का सभी को बेसब्री से इंतजार था। आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षो की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना। विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उनन्त शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र मे नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ गौर, विशिष्ट तिथि प्रोफेसर पांडे तथा कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन किया गया। इससे शिक्षा के क्षेत्र मे गुणात्मक वृद्धि होगी। अतिथियों ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प द्वारा संपादित पुस्तक डाइमेंशन्स ट्रेंड्स एंड चैलेंजेस तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक ई गवर्नेंस एंड डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेज इन इंडिया का विमोचन किया।

रजत जयंती समारोह मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर जेपी यादव, डॉ दिनेश सिंह, डॉ संजय सिंह, डॉ यू एन तिवारी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ गौरव संकल्प, डॉ शिवेंद्र कुमार सिंह, सीमा सिंह प्रोग्रामर, इंदू भूषण पांडेय, दिलीप त्रिपाठी, अवनीश चंद्र, मोहितोष कुमार, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र, प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, अभिमन्यु, गुलाब बिन्द, बसंत मौर्य, उमेश चन्द्र पांडेय, कुश प्रकाश पाल, राजू बारी, रामानंद यादव एवं मो. इमरान का सम्मान किया गया।

रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया तथा समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह का संचालन प्रोफेसर श्रुति और डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

रजत जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए हिंदुस्तानी अकादमी के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक संध्या मे महोबा के जितेंद्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन की प्रस्तुति की गई। मथुरा के अशोक, निलेश एवं दल द्वारा ब्रज संस्कृति पर मनोहरी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मिर्जापुर की श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव और दल ने कजरी गायन ने समारोह मे रंगत ला दी। सुल्तानपुर के बृजेश सिंह दल द्वारा अवधि संस्कृति की बिरहा गायन की प्रस्तुति पर लोग वाह वाह करते रहे।।

हिन्दी दैनिक पावन प्रयाग | प्रयागराज | प्रयागराज, शुक्रवार,

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा–प्रोफेसर सिंह

सांस्कृतिक संध्या में आल्हा, बिरहा और कजरी की बही रसधार

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

पावन प्रयाग संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। मिर्जापुर की लोक गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा।इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मैं बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया।

समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रही थीं।इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नही वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत देश में ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है जिससे शिक्षा सबके द्वारा तक पहुंचे। दूरस्थ शिक्षा यह कार्य बखूबी कर रही है।अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि इस पल का सभी को बेसब्री से इंतजार था। आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षों की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना।विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उनन्त शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज यह विश्वविद्यालय 25 वर्षों की उपलब्धियां के साथ 26 वर्ष मे प्रवेश कर रहा है। यह विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों के अनुकूल देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन का सुअवसर भी है। यह सुअवसर विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के फलक पर विशिष्ट पहचान और स्थान दिलाने के साथ ही देश को विश्वगुरु के रूप में ख्याति दिलाएगा। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि यह विश्वविद्यालय ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण कर सके जो समतापरक और प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति समर्पित हों। साथ ही देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की गौरव गरिमा को आगे बढ़ाने में अपनी सुयोग्य भूमिका का निर्वाह करें। इससे पूर्व प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सिंह ने रजत जयंती समारोह में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के शुभकामना संदेश को पढ़कर सुनाया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ गौर, विशिष्ट तिथि प्रोफेसर पांडे तथा कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन किया गया। इससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक वृद्धि होगी। अतिथियों ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प द्वारा संपादित पुस्तक डाइमेंशन्स ट्रेंड्स एंड चैलेंजेस तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक ई गवर्नेंस एंड डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेज इन इंडिया का विमोचन किया।रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर जेपी यादव, डॉ दिनेश सिंह, डॉ संजय सिंह, डॉ यू एन तिवारी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ गौरव संकल्प, डॉ शिवेंद्र कुमार सिंह, सीमा सिंह प्रोग्रामर, इंदू भूषण पांडेय, दिलीप त्रिपाठी, अवनीश चंद्र, मोहितोष कुमार, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र, प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, अभिमन्यु, गुलाब बिन्द, बसंत मौर्य, उमेश चन्द्र पांडेय, कुश प्रकाश पाल, राजू बारी, रामानंद यादव एवं मो. इमरान का सम्मान किया गया।

रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया तथा समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह का संचालन प्रोफेसर श्रुति और डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।रजत जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए हिंदुस्तानी अकादमी के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक संध्या में महोबा के जितेंद्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन की प्रस्तुति की गई। मथुरा के अशोक, निलेश एवं दल द्वारा ब्रज संस्कृति पर मनोहरी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मिर्जापुर की श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव और दल ने कजरी गायन ने समारोह में रंगत ला दी। सुल्तानपुर के बृजेश सिंह दल द्वारा अवधि संस्कृति की बिरहा गायन की प्रस्तुति पर लोग वाह वाह करते रहे।। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया। आमंत्रित कलाकारों को अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कलाकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन सह निदेशक डॉ दिनेश सिंह ने किया। समारोह में कौशल्या नंद गिरि, पूर्व वित्त अधिकारी ए के सिंह पूर्व कुलसचिव डॉ एके सिंह, प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

ऑनलाईन व्यापार से खुदरा व्यापार पर पड़ रहे भारी

क : 333 प्रयागराज, शुक्रवार, 03 नवम्बर, 2023, पृष्ठ : 4

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा:प्रोफेसर सिंह

सांस्कृतिक संध्या में आल्हा, बिरहा और कजरी की बही रसधार

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह मे रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। मिर्जापुर की लोक गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा।इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मैं बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया।

समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय मे दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रही थी।इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों मे राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नहीं वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत देश मे ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है जिससे शिक्षा सबके द्वारा तक पहुंचे। दूरस्थ शिक्षा यह कार्य बखूबी कर रही है।अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि इस पल का सभी को बेसब्री से इंतजार था। आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षों की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना। विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर

...शेष पेज नम्बर-4 पर।

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षाः प्रोफेसर सिंह

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान-सांस्कृतिक संध्या में आल्हा, बिरहा और कजरी की बही रसधार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

मिर्जापुर की लोक गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा।इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मैं बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया।

समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रहीं थीं।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है।

सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नहीं वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत देश में ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है जिससे शिक्षा सबके द्वारा तक पहुंचे। दूरस्थ शिक्षा यह कार्य बखूबी कर रही है।

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि इस पल का सभी को बेसब्री से इंतजार था। आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षों की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना।विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज यह विश्वविद्यालय 25 वर्षों की उपलब्धियां के साथ 26 वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों के अनुकूल देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन का सुअवसर भी है। यह सुअवसर विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के फलक पर विशिष्ट पहचान और स्थान दिलाने के साथ ही देश को विश्वगुरु के रूप में ख्याति दिलाएगा। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि यह विश्वविद्यालय ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण कर सके जो समतापरक और प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति समर्पित हों। साथ ही देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की गौरव गरिमा को आगे बढ़ाने में अपनी सुयोग्य भूमिका का निर्वाह करें। इससे पूर्व प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सिंह ने रजत जयंती समारोह में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के शुभकामना संदेश को पढ़कर सुनाया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ गौर, विशिष्ट तिथि प्रोफेसर पांडे तथा कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन किया गया। इससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक वृद्धि होगी। अतिथियों ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प द्वारा संपादित पुस्तक डाइमेंशन्स ट्रेंड्स एंड चैलेंजेस तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक ई गवर्नेंस एंड डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेज इन इंडिया का विमोचन किया।

रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर जेपी यादव, डॉ दिनेश सिंह, डॉ संजय सिंह, डॉ यू एन तिवारी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ गौरव संकल्प, डॉ शिवेंद्र कुमार सिंह, सीमा सिंह प्रोग्रामर, इंदु भूषण पांडेय, दिलीप त्रिपाठी, अवनीश चंद्र, मोहितोष कुमार, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र, प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, अभिमन्यु, गुलाब बिन्द, बसंत मौर्य, उमेश चन्द्र पांडेय, कुश प्रकाश पाल, राजू बारी, रामानंद यादव एवं मो. इमरान का सम्मान किया गया।

रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया तथा समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह का संचालन प्रोफेसर श्रुति और डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। रजत जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए हिंदुस्तानी अकादमी के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक संध्या में महोबा के जितेंद्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन की प्रस्तुति की गई। मथुरा के अशोक, निलेश एवं दल द्वारा ब्रज संस्कृति पर मनोहरी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मिजार्पुर की श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव और दल ने कजरी गायन ने समारोह में रंगत ला दी। सुल्तानपुर के बृजेश सिंह दल द्वारा अवधि संस्कृति की बिरहा गायन की प्रस्तुति पर लोग वाह वाह करते रहे।। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया। आमंत्रित कलाकारों को अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा– प्रोफेसर सिंह

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

(अनुराग शुक्ला) प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। मिर्जापुर की लोक गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा।इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मैं बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया। समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रहीं थीं। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नहीं वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षों की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना।विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया। आमंत्रित कलाकारों को अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कलाकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन सह निदेशक डॉ दिनेश सिंह ने किया। समारोह में कौशल्या नंद गिरि, पूर्व वित्त अधिकारी ए के सिंह पूर्व कुलसचिव डॉ एके सिंह, प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा- प्रोफेसर सिंह

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। मिर्जापुर की लोक गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा।इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मैं बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया।समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय

के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रहीं थीं।इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है।

सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नहीं वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए।अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षों की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना।विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा।सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया। आमंत्रित कलाकारों को अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी अकादमी के सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कलाकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन सह निदेशक डॉ दिनेश सिंह ने किया। समारोह में कौशल्या नंद गिरि, पूर्व वित्त अधिकारी ए के सिंह पूर्व कुलसचिव डॉ एके सिंह, प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षाः प्रोफ़ेसर सिंह

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया।मिर्ज़ापुर की लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा।इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति मैं बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया। समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से

⏩ राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

⏩ सांस्कृतिक संध्या में आल्हा, बिरहा और कजरी की बही रसधार

पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रहीं थीं।इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रो बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से

वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नहीं वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि प्रो कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत देश में ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है जिससे शिक्षा सबके द्वारा तक पहुंचे। दूरस्थ शिक्षा यह कार्य बखूबी कर रही है।अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि इस पल का सभी को बेसब्री से इंतजार था। आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षों की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना।विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा।प्रो सिंह ने कहा कि आज यह विश्वविद्यालय 25 वर्षों की उपलब्धियां के साथ 26 वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों के अनुकूल देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन का सुअवसर भी है। यह सुअवसर विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के फलक पर विशिष्ट पहचान और स्थान दिलाने के साथ ही देश को विश्वगुरु के रूप में ख्याति दिलाएगा। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि यह विश्वविद्यालय ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण कर सके जो समतापरक और प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति समर्पित हों। साथ ही देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की गौरव गरिमा को आगे बढ़ाने में अपनी सुयोग्य भूमिका का निर्वाह करें।

छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास कर रही है दूरस्थ शिक्षा: प्रोफेसर सिंह

⇨ राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में कर्मयोगियों का सम्मान

⇨ सांस्कृतिक संध्या में आल्हा, बिरहा और कजरी की बही रसधार

लक्ष्य समाचार

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। मिर्जापुर की लोक गायिका उर्मिला श्रीवास्तव एवं दल द्वारा प्रस्तुत कजरी और महोबा के जितेन्द्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन समारोह के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा इसके साथ ही ब्रज संस्कृति पर आधारित नृत्य एवं गायन और अवधि संस्कृति में बिरहा गायन का लोगों ने खूब आनंद उठाया।समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल से प्रसारित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने अपनी विकास यात्रा की विगत 25 वर्षों की सुनहरी यादों को ताजा और साझा किया। जहां शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पूर्व सहयोगियों से मिलकर काफी आनंदित हुए। दीपावली से पूर्व ही विश्वविद्यालय में दीपावली का उल्लास नजर आया। एक तरफ विश्वविद्यालय के सभी भवन आकर्षक रोशनी से जगमगाहट बिखेर रहे थे वहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह अपनी चिरपरिचित मुस्कुराहट से आगन्तुकों का खैर मकदम कर रहीं थीं। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षा से वंचित वर्ग के लिए दूरस्थ शिक्षा अहम भूमिका निभा रही है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों में राष्ट्र प्रेम की भावना तथा कौशल का विकास कर रही है। दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए धैर्य एवं एकाग्रता की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार के साथ ही गुणात्मक शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा केवल विषय को पढ़ाने के लिए नहीं वरन शिक्षार्थियों के अंदर राष्ट्रवाद का संचार भी होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, पूर्व कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया ने कहा कि आज पूरे विश्व को आवश्यकता है कि दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत देश में ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है जिससे शिक्षा सबके द्वारा तक पहुंचे। दूरस्थ शिक्षा यह कार्य बखूबी कर रही है। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि इस पल का सभी को बेसब्री से इंतजार था। आज अटल प्रेक्षागृह इन 25 वर्षों की यात्रा के सहयात्रियों का साक्षी बना।विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए यह अवसर उन्नत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार और समृद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा।प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज यह विश्वविद्यालय 25 वर्षों की उपलब्धियां के साथ 26 वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों के अनुकूल देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन का सुअवसर भी है। यह सुअवसर विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के फलक पर विशिष्ट पहचान और स्थान दिलाने के साथ ही देश को विश्वगुरु के रूप में ख्याति दिलाएगा। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि यह विश्वविद्यालय ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण कर सके जो समतापरक और प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति समर्पित हों। साथ ही देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की गौरव गरिमा को आगे बढ़ाने में अपनी सुयोग्य भूमिका का निर्वाह करें। इससे पूर्व प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सिंह ने रजत जयंती समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के शुभकामना संदेश को पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ गौर, विशिष्ट तिथि प्रोफेसर पांडे तथा कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा शिक्षार्थी सूचना प्रबंधन प्रणाली एल आई एम एस का उद्घाटन किया गया। इससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक वृद्धि होगी। अतिथियों ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रोफेसर श्रुति एवं डॉ गौरव संकल्प द्वारा संपादित पुस्तक डाइमेंशन्स ट्रेंड्स एंड चैलेंजेस तथा डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक ई गवर्नेंस एंड डिलीवरी ऑफ पब्लिक सर्विसेज इन इंडिया का विमोचन किया। रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर जेपी यादव, डॉ दिनेश सिंह, डॉ संजय सिंह, डॉ यू एन तिवारी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ गौरव संकल्प, डॉ शिवेंद्र कुमार सिंह, सीमा सिंह प्रोग्रामर, इंदु भूषण पांडेय, दिलीप त्रिपाठी, अवनीश चंद्र, मोहितोष कुमार, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र, प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, अभिमन्यु, गुलाब बिन्द, बसंत मौर्य, उमेश चन्द्र पांडेय, कुश प्रकाश पाल, राजू बारी, रामानंद यादव एवं मो. इमरान का सम्मान किया गया। रजत जयंती समारोह के कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी.पी. दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया तथा समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह का संचालन प्रोफेसर श्रुति और डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।रजत जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए हिंदुस्तानी ऐकडमी के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक संध्या में महोबा के जितेंद्र कुमार चौरसिया एवं दल द्वारा आल्हा गायन की प्रस्तुति की गई। मथुरा के अशोक, निलेश एवं दल द्वारा ब्रज संस्कृति पर मनोहरी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मिर्जापुर की उर्मिला श्रीवास्तव और दल ने कजरी गायन ने समारोह में रंगत ला दी। सुल्तानपुर के बृजेश सिंह दल द्वारा अवधि संस्कृति की बिरहा गायन की प्रस्तुति पर लोग वाह वाह करते रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया। आमंत्रित कलाकारों को अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं हिंदुस्तानी ऐकडमी के सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कलाकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन सह निदेशक डॉ. दिनेश सिंह ने किया। समारोह में कौशल्या नंद गिरि, पूर्व वित्त अधिकारी ए.के. सिंह पूर्व कुलसचिव डॉ ए.के. सिंह, प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।उक्त जानकारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्रमीडिया प्रभारी ने दी।

UPRTOU commemorating its silver jubilee

Event brought back fond memories from previous 25 years

CHIEF REPORTER

Prayagraj, Sanyam Bharat: On the occasion of the 25th anniversary of the establishment of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, a silver jubilee ceremony was organized at Atal Auditorium on Thursday. Kajri presented by Mirzapur's folk singer Urmila Srivastava and group and Alha singing by Jitendra Kumar Chaurasia and group of Mahoba were the center of attraction of the ceremony. Along with this, dance and singing based on Braj culture and Birha singing in Awadhi culture was greatly appreciated by the people. Enjoyed.The function was telecast live from the University's YouTube channel. On this important occasion, the University refreshed and shared the golden memories of the last 25 years of its development journey. Where teachers, officers and employees were very happy to meet their former colleagues. Diwali enthusiasm was visible in the university even before Diwali. On one hand, all the buildings of the university were shining with attractive lights, while on the other hand, the Vice Chancellor of the University, Professor Seema Singh was welcoming the visitors with her familiar smile. On this occasion, the chief guest of the function was Professor Bansh Gopal Singh, Vice Chancellor, Pandit Sunderlal Sharma Mukt. University, Bilaspur, Chhattisgarh said that distance education is playing an important role for the deprived section of education. Distance education is developing the spirit of patriotism and skills among the students. Patience and concentration are required to face the challenges of distance education. Saraswat guest Dr. Narendra Kumar Singh Gaur, former Higher Education Minister, Government of Uttar Pradesh said that along with the expansion of education, there should be qualitative education. Education should not only teach the subject but also inculcate nationalism among the students.

Special guest Professor Kalpalata Pandey, former Vice Chancellor, Jannayak Chandrashekhar University Ballia said that today the whole world needs to promote distance education. He said that there is a need for such an education system in India so that education reaches everyone. Distance education is doing this work

very well. While presiding, Vice Chancellor of Open University, Professor Seema Singh said that everyone was eagerly waiting for this moment. Today Atal Auditorium became a witness to the fellow travelers of these 25 years of journey. For the students and teachers of the university, this opportunity will be an important step towards innovation and prosperity in the field of advanced education and research. Professor Singh said that today this university has completed 25 years. Entering 26 years with achievements - This is also an opportunity to implement the country's National Education Policy 2020 in line with the objectives of establishing the university. This opportunity will not only give the university a unique identity and place on the platform of higher education, but will also give the country a reputation as a world leader. Vice Chancellor Professor Singh said that our aim is that this university can create such youth forces who are dedicated towards an egalitarian and enlightened human society. Also, play your worthy role in carrying forward the glory and dignity of the rich cultural tradition of the country. Earlier, in the beginning, Vice Chancellor Professor Singh read out the congratulatory message of Governor Smt. Anandiben Patel at the Silver Jubilee ceremony.

On this occasion, Learner Information Management System LIMS was inaugurated by Chief Guest Professor Singh, Special Guest Dr. Gaur, Special Date Professor Pandey and Vice Chancellor Professor Seema Singh. This will lead to qualitative increase in the field of education. On this occasion, the guests released the book Dimensions Trends and Challenges edited by University teachers Professor Shruti and Dr. Gaurav Sankalp and the book E-Governance and Delivery of Public Services in India edited by Dr. Anandanand Tripathi and Dr. Trivikram Tiwari.

To make the Silver Jubile celebrations memorable, Alh singing was presented by Jitendra Kumar Chaurasia and group of Mahoba in the cultura evening organized in collaboration with Hindustani Academy A beautiful program on Braj culture was presented by Ashok Nilesh and team of Mathura Kajri singing by Urmil Srivastava and the group o Mirzapur added color to the function. People kept cheering on the presentation of Birh singing of Awadhi culture by Brijesh Singh Dal of Sultanpu The cultural program was organized under the Indian Language Festival in collaboration with Uttar Pradesh Rajarsh Tandon Open University and Hindustani Academy, Prayagraj The invited artists along with the guests were honored by Vic Chancellor Professor Seem Singh and Secretary o Hindustani Academy Devendr Pratap Singh by giving mementos. Co-director Dr. Dinesh Singh expressed his gratitude to the artists. Kaushalya Nand Giri, forme finance officer AK Singh, forme registrar Dr AK Singh, Professo Vivek Kumar Singh etc. were present in the ceremony.

Over bridge in front of Alld HC: Work to convert | Faces of children blossomed after receiving

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

11 नवम्बर, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन

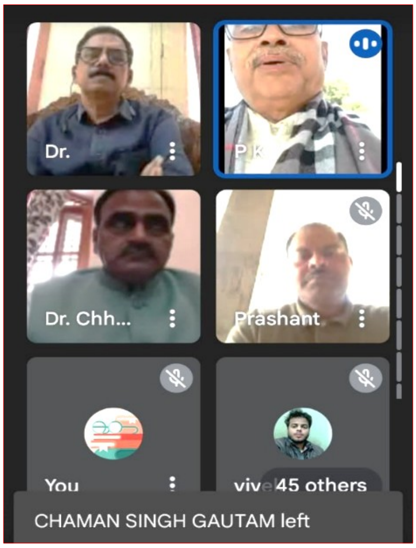

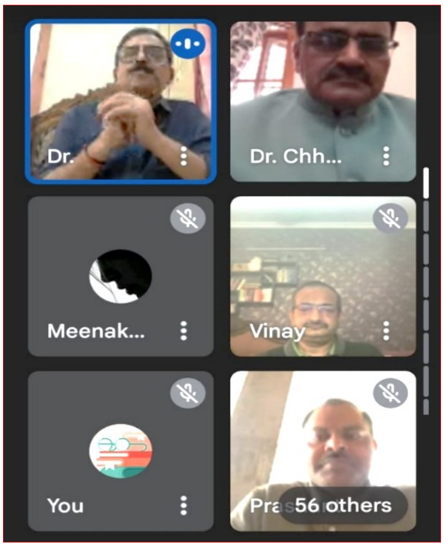

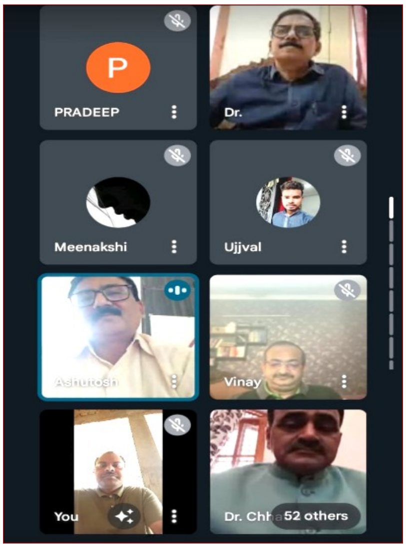

माननीय कुलपति जी के निर्देश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयप्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा द्वारा भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन दिनांक 11 नवंबर, 2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि प्रो. पी. के. साहू ,पूर्व कुलपति इलाहाबाद विष्वविद्यालय, इलाहाबाद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने की।

इस अवसर वक्तागण का स्वागत एवं अभिनन्दन तथा परिचय शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन प्रस्तुत किया। सभी का हार्दिक आभार कुलसचिव, कर्नल श्री विनय कुमार द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. बाल गोविंद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया। कार्यक्रम में विष्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विष्वविद्यालय के मीडिया कर्मी, विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक एवं शिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. बाल गोविंद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

वक्तागण का स्वागत एवं अभिनन्दन तथा परिचय प्रस्तुत करते हुए शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी. के. स्टालिन

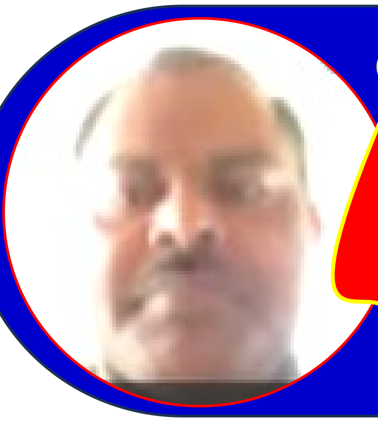

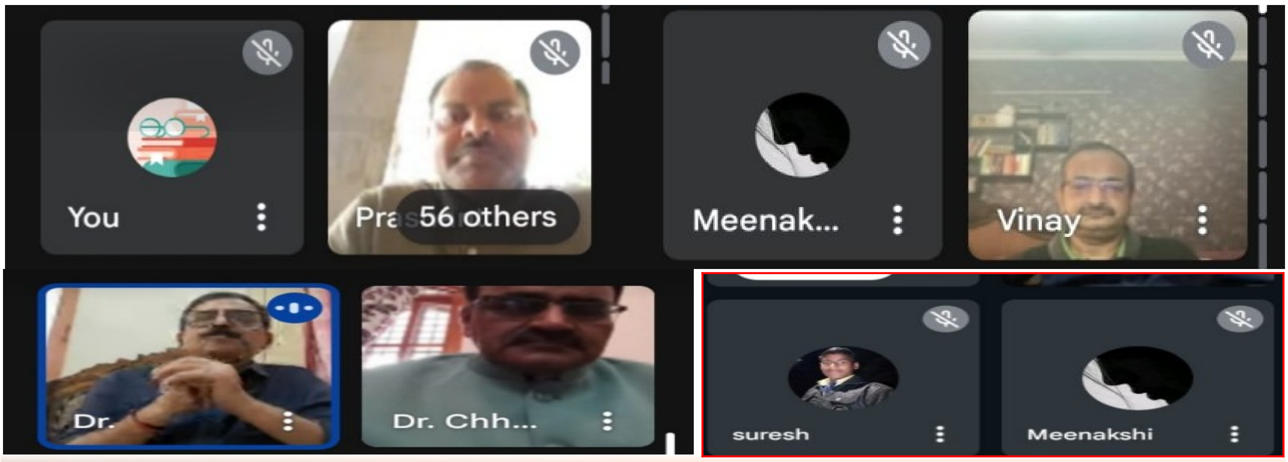

शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए – प्रो. पी. के. साहू

मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि प्रो. पी. के. साहू ,पूर्व कुलपति इलाहाबाद विष्वविद्यालय, इलाहाबाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए। उनका कहना था कि जिस तरह से आज हम भारतवासी सफल चंद्रयान के प्रक्षेपण पर अपने आप को गौरयांवित महसूस करते हैं। उसकी नींव में मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने में हमें समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग, एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा।

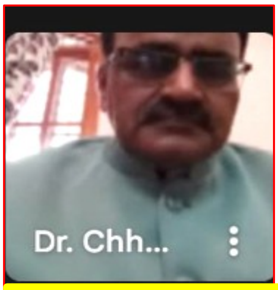

शिक्षा विद्याशाखा के वरिष्ठ प्रो. छत्रसाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1947 से लेकर 1958 तक मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ही ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम आईआईटी की स्थापना की अवधारणा को आगे बढ़ाया तथा उनकी स्थापना किया इसके अलावा उन्होंने ही संगीत नाटक अकादमी, कृषि विष्वविद्यालय तथा तकननीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर निर्धारित थीम को रेखांकित किया तथा अपने विचार रखते हुए कहा कि आम जन को नवाचारों से जोड़ा जाना चाहिए।

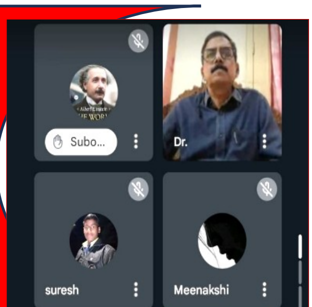

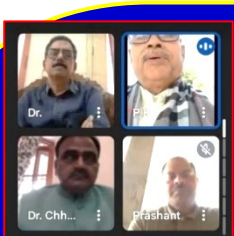

सभी का हार्दिक आभार ज्ञापित करते हुए

कुलसचिव, कर्नल श्री विनय कुमार

VOL. 15
NO. 311
MORNING
EDITION
PRAYAGRAJ

JUSTICE EXPRESS

SUNDAY, 12 NOVEMBER 2023, PAGES 8 Email:- justiceexpress2009@gmail.com RNI: UPENG/2009/28741
* City/Dak Edition Price Rs. 1.00
* Out of City Edition Price Rs. 1.00

Facing educational challenges through inclusive education – Professor Sahu

National Education Day organized in Open University

JE CORRESPONDENT

PRAYAGRAJ: On the occasion of the birthday of India's first Union Education Minister Maulana Abul Kalam Azad, National Education Day celebration was organized online on Saturday under the direction of Vice Chancellor Professor Seema Singh at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj.

Director of the Faculty of Education, Professor P.K. Stalin welcomed and congratulated the speakers on this occasion and presented their detailed introduction. The main speaker and chief guest of the program was Prof. P.K. Sahu, former Vice Chancellor, Allahabad University, said in his statement that education should be linked at the international level. He said that the way we Indians today feel proud on the successful launch of Chandrayaan, Maulana Azad's foresight has a major contribution in the foundation of it. Also, in dealing with today's educational challenges, we will have to give special importance to inclusive education, online education, e-learning and systems of formal, informal and non-formal education.Prof. Chhatrasal Singh said in his address that from 1947 to 1958, Maulana Abdul Kalam Azad was the visionary person who first put forward the concept of establishing IITs and established them. Apart from this, he had given special emphasis on Sangeet Natak Academy, Agricultural University and technical education.

Presiding over the program, Director of the Faculty of Science, Prof. Ashutosh Gupta underlined the theme set on National Education Day and while expressing his views said that the common people should be connected with innovations. After the program, everyone was heartily thanked by Registrar Colonel Vinay Kumar. Presiding over the program, Director of the Faculty of Science, Prof. Ashutosh Gupta underlined the theme set on National Education Day and while expressing his views said that the common people should be connected with innovations. After the program, everyone was heartily thanked by Registrar Colonel Vinay Kumar. The program was conducted by Dr. Bal Govind Singh, Assistant Professor, Education Department. University teachers, employees, coordinators of various study centers and students actively participated in the program. After the successful conduct of Education Day, Vice Chancellor Professor Seema Singh wished everyone a happy Diwali.

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com
लखनऊ, रविवार, 12 नवम्बर 2023

शैक्षिक चुनौतियों का सामना समावेशी शिक्षा सेः प्रो. साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया। शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने इस अवसर पर वक्ताओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा विस्तार से परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. साहू ,पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए। उनका कहना था कि जिस तरह से आज हम भारतवासी सफल चंद्रयान के प्रक्षेपण पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं उसकी नींव में मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने में हमें समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा।शिक्षा विद्याशाखा के प्रो. छत्रसाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1947 से लेकर 1958 तक मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ही ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम आईआईटी की स्थापना की अवधारणा को आगे बढ़ाया तथा उनकी स्थापना किया। इसके अलावा उन्होंने ही संगीत नाटक अकादमी, कृषि विश्वविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया था।

The City Standard

National Education Day organized in Open University

Prayagraj. On the occasion of the birthday of India's first Union Education Minister Maulana Abul Kalam Azad, National Education Day celebration was organized online on Saturday under the direction of Vice Chancellor Professor Seema Singh at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj. Director of the Faculty of Education, Professor P.K. Stalin welcomed and congratulated the speakers on this occasion and presented their detailed introduction. The main speaker and chief guest of the program was Prof. P.K. Sahu, former Vice Chancellor, Allahabad University, said in his statement that education should be linked at the international level. He said that the way we Indians today feel proud on the successful launch of Chandrayaan, Maulana Azad's foresight has a major contribution in the foundation of it. Also, in dealing with today's educational challenges, we will have to give special importance to inclusive education, online education, e-learning and systems of formal, informal and non-formal education.Prof. Chhatrasal Singh said in his address that from 1947 to 1958, Maulana Abdul Kalam Azad was the visionary person who first put forward the concept of establishing IITs and established them. Apart from this, he had given special emphasis on Sangeet Natak Academy, Agricultural University and technical education.

Presiding over the program, Director of the Faculty of Science, Prof. Ashutosh Gupta underlined the theme set on National Education Day and while expressing his views said that the common people should be connected with innovations. After the program, everyone was heartily thanked by Registrar Colonel Vinay Kumar. The program was conducted by Dr. Bal Govind Singh, Assistant Professor, Education Department. University teachers, employees, coordinators of various study centers and students actively participated in the program. After the successful conduct of Education Day, Vice Chancellor Professor Seema Singh wished everyone a happy Diwali.

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746 हिन्दी दैनिक समाचार पत्र प्रयागराज से प्रकाशित

लक्ष्य समग्र

LS NEWS
Tweeter - @lsnews24 | http://youtube.com/@LSNewslive | Website - lakshyasamagra.com | Facebook - http://www.facebook.com/lsnews24
वर्ष : 01 अंक : 182 प्रयागराज, रविवार 12 नवम्बर 2023 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

हिन्दी दैनिक | लक्ष्य समग्र | प्रयागराज/आस-पास

शैक्षिक चुनौतियों का सामना समावेशी शिक्षा से- प्रोफेसर साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया। शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने इस अवसर पर वक्ताओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा विस्तार से परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. साहू ,पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए। उनका कहना था कि जिस तरह से आज हम भारतवासी सफल चंद्रयान के प्रक्षेपण पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं उसकी नींव में मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने में हमें समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा शिक्षा विद्याशाखा के प्रो. छत्रसाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1947 से लेकर 1958 तक मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ही ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम आईआईटी की स्थापना की अवधारणा को आगे बढ़ाया तथा उनकी स्थापना किया। इसके अलावा उन्होंने ही संगीत नाटक अकादमी, कृषि विश्वविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर निर्धारित थीम को रेखांकित किया तथा अपने विचार रखते हुए कहा कि आम जन को नवाचारों से जोड़ा जाना चाहिए। कार्यक्रम के बाद सभी का हार्दिक आभार कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. बाल गोविंद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक एवं शिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। शिक्षा दिवस के सफल संचालन के उपरांत कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 66
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
रविवार, 12 नवम्बर, 2023
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एसडी0/119/15-17

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित
शुभ दीपावली की आप सभी को हार्दिक बधाई...

शैक्षिक चुनौतियों का सामना समावेशी शिक्षा से- प्रोफेसर साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने इस अवसर पर वक्ताओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा विस्तार से परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. साहू ,पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए। उनका कहना था कि जिस तरह से आज हम भारतवासी सफल चंद्रयान के प्रक्षेपण पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं उसकी नींव में मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने में हमें समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा।शिक्षा विद्याशाखा के प्रो. छत्रसाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1947 से लेकर 1958 तक मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ही ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम आईआईटी की स्थापना की अवधारणा को आगे बढ़ाया तथा उनकी स्थापना किया। इसके अलावा उन्होंने ही संगीत नाटक अकादमी, कृषि विश्वविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर निर्धारित थीम को रेखांकित किया तथा अपने विचार रखते हुए कहा कि आम जन को नवाचारों से जोड़ा जाना चाहिए। कार्यक्रम के बाद सभी का हार्दिक आभार कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. बाल गोविंद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक एवं शिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 10
अंक :250
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.0
रविवार 12 नवम्बर 2023
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक www.pratahkalexpress.in

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सच से रूबरू
प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित

शैक्षिक चुनौतियों का सामना समावेशी शिक्षा से- प्रोफेसर साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन मे शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने इस अवसर पर वक्ताओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा विस्तार से परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. साहू ,पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य मे कहा कि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए। उनका कहना था कि जिस तरह से आज हम भारतवासी सफल चंद्रयान के प्रक्षेपण पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते है उसकी नींव में मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने में हमें समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा।शिक्षा विद्याशाखा के प्रो. छत्रसाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1947 से लेकर 1958 तक मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ही ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम आईआईटी की स्थापना की अवधारणा को आगे बढ़ाया तथा उनकी स्थापना किया। इसके अलावा उन्होंने ही संगीत नाटक अकादमी, कृषि विश्वविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर निर्धारित थीम को रेखांकित किया तथा अपने विचार रखते हुए कहा कि आम जन को नवाचारों से जोड़ा जाना चाहिए। कार्यक्रम के बाद सभी का हार्दिक आभार कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. बाल गोविंद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक एवं शिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। शिक्षा दिवस के सफल संचालन के उपरांत कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2008 अनुक्रमांक 1528348 का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।
नाम : रवि शंकर भारतीया
पिता: मन्ना लाल
पता: कोटिया भरौहा, नीबी, प्रयागराज

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

सिर्फ सच के साथ
हिन्दी दैनिक

शैक्षिक चुनौतियों का सामना समावेशी शिक्षा से : प्रोफेसर साहू

युनाइटेड भारत

फाफामऊ। शनिवार को शान्तिपुरम स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया। शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने इस अवसर पर वक्ताओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा विस्तार से परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. साहू ,पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए। उनका कहना था कि जिस तरह से आज हम भारतवासी सफल चंद्रयान के प्रक्षेपण पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं उसकी नींव में मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने में हमें समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा।शिक्षा विद्याशाखा के प्रो. छत्रसाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1947 से लेकर 1958 तक मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ही ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम आईआईटी की स्थापना की अवधारणा को आगे बढ़ाया तथा उनकी स्थापना किया। आभार कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा किया गया। संचालन डॉ. बाल गोविंद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक एवं शिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। शिक्षा दिवस के सफल संचालन के उपरांत कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

वर्ष : 30 | अंक :12
प्रतापगढ़ | रविवार , 12 नवम्बर-2023
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

शैक्षिक चुनौतियों का सामना समावेशी शिक्षा से- प्रोफेसर साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया।शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने इस अवसर पर वक्ताओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा विस्तार से परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तथा मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. साहू ,पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जाए। उनका कहना था कि जिस तरह से आज हम भारतवासी सफल चंद्रयान के प्रक्षेपण पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं उसकी नींव में मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने में हमें समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा।शिक्षा विद्याशाखा के प्रो. छत्रसाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1947 से लेकर 1958 तक मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ही ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम आईआईटी की स्थापना की अवधारणा को आगे बढ़ाया तथा उनकी स्थापना किया। इसके अलावा उन्होंने ही संगीत नाटक अकादमी, कृषि विश्वविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया था।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर निर्धारित थीम को रेखांकित किया तथा अपने विचार रखते हुए कहा कि आम जन को नवाचारों से जोड़ा जाना चाहिए। कार्यक्रम के बाद सभी का हार्दिक आभार कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. बाल गोविंद सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक एवं शिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। शिक्षा दिवस के सफल संचालन के उपरांत कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 342 प्रयागराज, रविवार, 12 नवम्बर, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

शैक्षिक चुनौतियों का सामना समावेशी शिक्षा से-प्रोफेसर साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत के प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन मे शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन ने इस अवसर पर वक्ताओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा विस्तार से परिचय प्रस्तुत किया। ... करते है उसकी नीव मे मौलाना आजाद की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान है। साथ ही आज की शैक्षिक चुनौतियों से निपटने मे हमे समावेशी शिक्षा, ऑनलाइन एजुकेशन, ई लर्निंग एवं औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक शिक्षा की प्रणालियों को विशेष महत्व देना होगा। ... तथा उनकी स्थापना किया। इसके अलावा उन्होंने ही संगीत नाटक अकादमी, कृषि विश्वविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा पर विशेष जोर दिया था।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर निर्धारित थीम को रेखांकित किया तथा अपने विचार रखते हुए कहा कि आम जन को नवाचारों से जोड़ा जाना चाहिए। कार्यक्रम के बाद सभी का हार्दिक आभार कुलसचिव कर्नल ...

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
17 नवम्बर, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के समस्त प्रभारी क्षेत्रीय केंद्र एवं क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की प्रवेश एवं परीक्षा के सम्बन्ध में बैठक

विश्वविद्यालय के प्रभारी क्षेत्रीय केंद्र एवं क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की प्रवेश एवं परीक्षा के सम्बन्ध मे एक आवश्यक बैठक दिनांक 17 नवम्बर, 2023 को प्रातः 10:30 बजे कमेटी कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

बैठक में प्रवेश प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी, समन्वयकगण एवं कुलसचिव (ऑन लाइन/ऑफ लाइन) उपस्थित रहे।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 18 नवम्बर, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय ने रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय से किया एमओयू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकुट के माननीय कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पाण्डेय ने परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य– प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए।

शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं माननीय कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पाण्डेय

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य– प्रोफेसर सीमा सिंह

इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 20 नवम्बर 2023

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य: प्रो. सीमा सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रो सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रो पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है। यह जानकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र मीडिया प्रभारी ने दी।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, सोमवार 20 नवम्बर,2023

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य- प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई।इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

हिन्दी दैनिक
लक्ष्य समग्र
वर्ष : 01 | अंक : 187 | प्रयागराज, सोमवार 20 नवम्बर 2023 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपया

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य- प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय ने रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय से किया MOU

लक्ष्य समग्र

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय,

चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है। यह जानकारी मिडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने दी।

हिन्दी दैनिक
सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित
प्रयागराज से प्रकाशित
वर्ष-02-अंक-357 प्रयागराज सोमवार 20 नवम्बर 2023 विक्रम संवत 2080 प्रातः संस्करण पृष्ठ-8 मूल्य: 1/रुपया

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य- प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय ने रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय से किया एमओयू

सहज स्वरुप समाचार।

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र मे जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कॅरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन मे मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा मे निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा मे आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई।इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 30 | अंक :18
प्रतापगढ़ | सोमवार , 20 नवम्बर-2023
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य- प्रो. सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय ने रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय से किया एमओयू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी

लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया।

अमर उजाला

मुक्त विवि और रामभद्राचार्य दिव्यांग विवि के बीच हुआ समझौता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विवि चित्रकूट के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा, जो उनके कॅरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। ब्यूरो

R.N.I. UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 73
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 20 नवम्बर, 2023
जुनून है सच लिखने का
G20
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

मुक्त विश्वविद्यालय ने रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय से किया एमओयू

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य-प्रोफेसर सीमा सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शान्तिपूरम स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य प्रो. सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय ने रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय से किया एमओयू

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया।

अमर उजाला
प्रयागराज | सोमवार, 20 नवंबर 2023

मुक्त विश्वविद्यालय और रामभद्राचार्य दिव्यांग विवि के बीच हुआ समझौता

शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे दोनों विश्वविद्यालय, एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा, जो उनके कॅरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रो. पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी डीपी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र की ओर से संचालित कार्यक्रमों के बारे में कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया।

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

राजर्षि टंडन और रामभद्राचार्य विवि में समझौता

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रो.शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके करियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
लखनऊ, सोमवार 20 नवम्बर, 2023
स्वतंत्र भारत
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

मुक्त विश्वविद्यालय ने रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय से किया एमओयू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर प्रारंभ में सेवायोजन एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों के बारे में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय को अवगत कराया। कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से पूरे प्रदेश के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा सुलभ कराने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत
www.tijaratnews.com

शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्यः प्रो सीमा सिंह

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए । इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफ़ेसर शिशिर कुमार पांडेय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए परस्पर सहमति पत्र एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की विशिष्टताओं का लाभ मिलेगा। जो उनके कैरियर संवर्धन में काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की क्षमता का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रोफ़ेसर पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
24 नवम्बर, 2023

dqyifr us fd;k {ks=kh; dsUnz

{ks=kh; dsUnz v;ks/;k dk fujh{k.k djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr çksQslj lhek flag th ,oa

mÙkj çns'k jktf"kZ VaMu eqä fo'ofo|ky] ç;kxjkt dh ekuuh;k dqyifr çksQslj lhek flag th us fnukad 24 uoEcj] 2023 dks {ks=kh; dsUnz] v;ks/;k dk fujh{k.k fd;kA bl nkSjku {ks=kh; dsUnz] v;ks/;k ds leUo;d MkW0 'kf'k Hkw"k.k jke f=kikBh rFkk deZpkjhx.k mifLFkr jgsA Ekkuuh;k dqyifr çksQslj lhek flag th us {ks=kh; dk;kZy;] v;ks/;k dk fujh{k.k dj dk;Zky; ds xfrfofèk;ksa dh tkudkjh çkIr dhA mUgksaus dgk fd u, 'kSf{kd l=k esa {ks=kh; dsUnz ij vkus okys f'k{kkfFkZ;ksa dh ftKklkvksa dk vPNh rjg ls lekèkku fd;k tk,A mUgsa fo'ofo|ky; ds jkstxkj ijd dk;ZØeksa ds ckjs esa lwpuk nh tk,A ekuuh;k dqyifr th us {ks=kh; dsUnz esa lQkbZ O;oLFkk dks pqLr&nq:Lr j[kus ds lkFk&lkFk dsUnz

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
25 नवम्बर, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा नामांकन अभिप्रेरण अभियान के अंतर्गत श्री परमहंस जी महाविद्यालय बहराइच में प्रवेश जागरूकता कार्यक्रम

नामांकन अभिप्रेरण अभियान

''शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक'' इस सूत्र वाक्य को ध्येय वाक्य के रूप में लेकर उत्तर प्रदेश राजर्षी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज से निकली प्रवेश जागरूकता की टीम आज दिनांक 25 नवंबर 2023 को प्रातः 10:00 बजे श्री परमहंस जी महाविद्यालय कैसरगंज बहराइच के प्रांगण में में अपने अभियान के लिए पहुंची। कालेज के प्राचार्य डॉ नीरज बाजपेई ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया मुख्य अतिथि प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने की तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अनीता सिंह बाराबंकी रही। विष्वविद्यालय के प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने बताया की आप एक साथ दो डिग्री ले सकते हैं अब कोई दिक्कत नहीं है। प्रवेश के जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी डॉ0 संजय कुमार सिंह ने छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय का परिचय और विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया तथा प्रवेश की प्रक्रिया की सरलता बतलाई। शिक्षा और उच्च शिक्षा से कोई भी वंचित न रह पाए इस लिए नई शिक्षा नीति से अनुमोदित मुक्त शिक्षा पद्धति से भी उच्च शिक्षा के लिए कोई भी व्यवसायी, ग्रहणी, या किसी भी कारण से उच्च शिक्षा के लिए वंचित लोग भी बिना नियमित कक्षा में जाए। विश्वविद्यालय के द्वारा प्रदत्त स्व–अध्ययन सामग्री द्वारा पढ़ाई करके और अपने निकटतम अध्ययन केंद्रों पर परीक्षा दे कर अपनी शिक्षा पूरी कर सकते है। क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निरांजलि सिन्हा ने बताया कि अध्ययन केंद्र में प्रवेश पा कर अपनी रेगुलर डिग्री के साथ ऑनलाइन मोड में भी प्रवेश ले कर एक साथ दो डिग्री भी पा सकते है।

छात्र छात्राओं के विभिन्न प्रश्नों का समाधान विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक सिंह जी ने किया। प्राचार्य प्रोफेसर नीरज बाजपेई ने बच्चो को प्रवेश हेतु आवेदन के लिए छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में लगभग 70 छात्र छात्रायें उपस्थित रही ।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 25 नवम्बर, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा नामांकन अभिप्रेरण अभियान के अंतर्गत किसान डिग्री कॉलेज बहराइच में प्रवेश जागरूकता कार्यक्रम

नामांकन अभिप्रेरण अभियान

''शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक'' इस सूत्र वाक्य को ध्येय वाक्य के रूप में लेकर उत्तर प्रदेश राजर्षी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज से निकली प्रवेश जागरूकता की टीम आज दिनांक 25 नवंबर 2023 को प्रातः 02:00 बजे किसान डिग्री कॉलेज बहराइच के प्रांगण में अपने अभियान के लिए पहुंची। कालेज के प्रबंधक सचिव प्रोफेसर एस0 पी0 सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यकम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही। महाविद्यालय के प्रबंधक सचिव प्रोफेसर एसपी सिंह जी ने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि माननीय कुलपति जी का परिचय शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान उनके लंबे अनुभव को बताया। सचिव जी ने सभी अतिथियों का परिचय कराया तथा बच्चो को प्रवेश हेतु आवेदन के लिए छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया महाविद्यालय में अध्ययन केंद्र यथाशीघ्र प्रारंभ करने की बात भी कही। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विनय श्रीवास्तव जी ने सभी अतिथियों को छात्रों के साथ धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में लगभग 150 छात्र छात्रायें उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर सोनी जी ने किया इसके अलावा इस कार्यक्रम में विभिन्न अध्ययन केन्द्रो से आए हुए अध्ययन केंद्र समन्वयकों द्वारा माननीया कुलपति जी का सम्मान किया गया। क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक प्रयागराज डॉ0 अभिषेक सिंह, क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के प्रभारी डॉ0 संजय सिंह एवं समन्वय डॉ0 निरंजलि सिन्हा, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि ने भी माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का इस प्रवेश पूर्व परामर्श कार्यक्रम में स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी श्री उपेन्द्र कुमार सिंह जी उपस्थित रहे।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं श्री उपेन्द्र कुमार सिंह जी को पुष्पगुच्छ एवं समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कालेज के प्रबंधक सचिव प्रोफेसर एस0 पी0 सिंह

प्रवेश ले कर एक साथ दो डिग्री भी पा सकते है– कुलपति

प्रवेश के जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों के बारे में तथा प्रवेश की प्रक्रिया की सरलता बतलाई। शिक्षा और उच्च शिक्षा से कोई भी वंचित न रह पाए इसलिए नई शिक्षा नीति से अनुमोदित मुक्त शिक्षा पद्धति से भी उच्च शिक्षा के लिए कोई भी व्यवसायी, ग्रहणी, या किसी भी कारण से उच्च शिक्षा के लिए वंचित लोग भी बिना नियमित कक्षा में जाए, विश्वविद्यालय के द्वारा प्रदत्त स्व अध्ययन सामग्री द्वारा पढ़ाई करके और अपने निकटतम अध्ययन केंद्रों पर परीक्षा दे कर अपनी शिक्षा पूरी कर सकते है। अध्ययन केंद्र में प्रवेश पा कर अपनी रेगुलर डिग्री के साथ ऑनलाइन मोड में भी प्रवेश ले कर एक साथ दो डिग्री भी पा सकते है।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
29 नवम्बर, 2023

पुरातन छात्र कल्याण परिषद की बैठक

10:30 बजे कमेटी कक्ष में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

बैठक के प्रारम्भ में पुरा छात्र कल्याण परिषद के अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने माननीया कुलपति जी, कुलसचिव एवं पुरा छात्र कल्याण परिषद के सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा पुरा छात्र कल्याण परिषद द्वारा अभी तक के क्रियाकलापों से सभी को अवगत कराया। माननीया कुलपति जी ने पुरा छात्र कल्याण परिषद की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से चलाये जो हेतु सभी को निर्देशित किया।

बैठक में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, डॉ0 दिनेश सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ0 मीरा पाल, डॉ0 साधना श्रीवास्त, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, मनोज कुमार बलवन्त, डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, डॉ0 सी. के. सिंह, डॉ0 नीता मिश्रा एवं मोहितोष कुमार उपस्थित रहे।

पुरातन छात्र कल्याण परिषद की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा पुरातन छात्र कल्याण परिषद के सदस्यगण

पुरातन छात्र कल्याण परिषद की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा पुरातन छात्र कल्याण परिषद के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
30 नवम्बर, 2023

क्षेत्रीय केंद्र झाँसी एवं कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त अध्ययन केंद्रो के समन्वयकों की एक ऑनलाइन बैठक

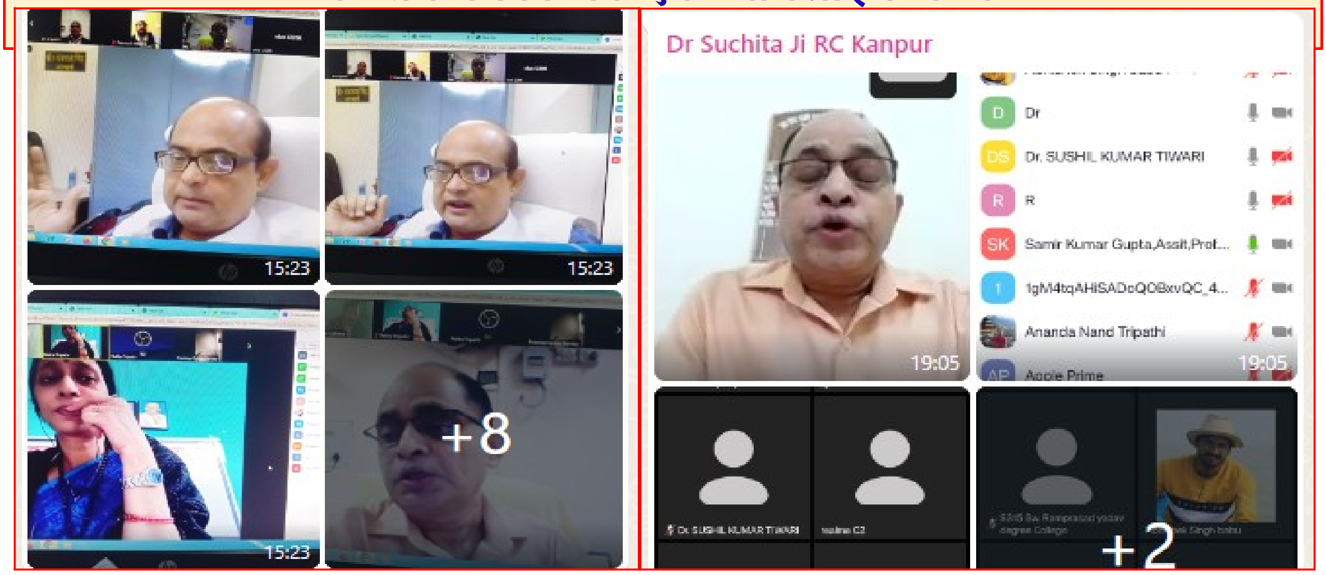

दिनांक 30 नवंबर 2023 को क्षेत्रीय केंद्र झाँसी एवं कानपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त अध्ययन केंद्रो के समन्वयकों की एक ऑनलाइन बैठक जूम एप माध्यम से संपन्न हुई इस बैठक में 34 अध्ययन केंद्रो की उपस्थिति रही। क्षेत्रीय केंद्र झाँसी के प्रभारी प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय, एवं समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी एवं क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के प्रभारी निदेशक डॉ0 आनंद नंद त्रिपाठी सर, प्रवेश प्रभारी डॉ0 जे0 पी0 यादव, क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी तथा क्षेत्रीय केंद्र झाँसी एवं कानपुर के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। उक्त बैठक में परीक्षा फार्म से संबंधित समस्याओं के विषय पर चर्चा की गई और असाइनमेंट कार्य, प्रोजेक्ट कार्य के संबंध में चर्चा की गई। आगामी परीक्षा दिसंबर 2023 के सापेक्ष चर्चा की गई एवं आगामी प्रवेश जनवरी 2024 सत्र के सापेक्ष में किस प्रकार से हम प्रवेश के प्रतिशत को बढ़ा सके इस पर भी चर्चा की गई। जिसमें कई अध्ययन केंद्र द्वारा अवगत कराया गया कि छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन सामग्री, अंक पत्र और करेक्शन समय से होने लगे तो प्रवेश में वृद्धि हो सकती है और वही छात्र अन्य दूसरे छात्र–छात्राओं को प्रेरित करेंगे। औरैया जिले से अवगत कराया गया कि उनके यहां का परीक्षा केंद्र बहुत दूर बनाया जाता है जिनके कारण कोई प्रवेश नही लेता है ।

प्रवेश प्रभारी ने ABC I'D बनाने और परीक्षा फॉर्म भरने के संबंध में बताया और आगामी प्रवेश सत्र जनवरी 2024 के संबंध में बताया की इस सत्र में सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश ओपन किया जायेगा और छात्र छात्राओं के सुविधा के लिए LIMS पोर्टल की भी व्यवस्था की गई है।